Northern Coalfields Limited
(Govt. of India Mini Ratna Company)
Post- Singrauli Colliery
Distt- Singrauli MP PIN-486889

नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड
(भारत सरकार का एक मिनि रत्न प्रतिष्ठान)
पोस्ट सिगंरौली कोलियरी,
जिला- सिगंरौलीम. प्र., पिन 486889

CIN- U10102MP1985GOI003160
Phone: 07805- 266808 (Off) , 266640 (Fax)email: pro.ncl@coalindia.inwebsite : www.nclcil.in
An ISO: 9001, ISO: 14001 & OHSAS: 18001 Certified Company

पत्र क0 एनसीएल/ज0स0वि0/प्रेसवि0/2016–17/01 दिनांक– 01/04/2017

प्रेस विज्ञप्ति

एनसीएल ने चलाया ऑटिज्म जागरूकता अभियान

भारत सरकार की मिनी रत्न कंपनी नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) का नेहरू शताब्दी चिकित्सालय (एनएससी) आम लोगों को बच्चों में होने वाली बीमारी ऑटिज्म के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से ऑटिज्म जागरूकता अभियान चला रहा है। 2 अप्रैल को मनाए जाने वाले 'विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस' के उपलक्ष्य में अस्पताल यह जागरूकता अभियान चला रहा है। अभियान के अंतर्गत अस्पताल विभिन्न स्थानों पर ऑटिज्म बीमारी के लक्षण एवं इलाज के उपाय की जानकारी देने वाले पोस्टर लगाकर और अस्पताल एवं एनसीएल की विभिन्न डिस्पेंसरियों में आने वाले मरीजों को पैम्फ्लेट बांटकर लोगों को इस बीमारी के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसॉर्डर एक न्यूरो–विकासात्मक विकार है, जिसमें बच्चों को सामान्य तौर पर बोलने में और सामाजिक संबंधों को बनाने में कठिनाई होती है। इस बीमारी से ग्रसित बच्चे कुछ ही गतिविधियों को बार–बार करते हैं। आम तौर पर हर 160 में से 1 बच्चे की ही इस बीमारी की चपेट में आने की संभावना रहती है। लड़कियों की तुलना में लड़कों में ऑटिज्म होने की 5 गुना संभावना रहती है।

बचपन से ही बच्चों के व्यवहार पर नजर रखकर इस बीमारी को पहचाना जा सकता है। इस बीमारी में बच्चा अकेले खेलना पसंद करता है और दूसरे की मुस्कान पर स्वतः मुस्कान नहीं देता है। दूसरों से आंख मिलाकर बात नहीं करता है और अपना नाम पुकारे जाने पर भी प्रतिक्रिया नहीं देता है। वह एक तय रूटीन से अलग वातावरण में स्वयं को नहीं ढाल पाता है और उसे कुछ खास वस्तुओं से एक असामान्य लगाव हो सकता है। बच्चे के व्यवहार और सोच में सीमित मात्रा में लचीलापन होता है।

बच्चों में इन लक्षणों को देखने पर अभिभावकों को शिशु–रोग और मनोरोग विशेषज्ञों से तुरंत सलाह लेनी चाहिए। शुरू से ही बच्चों की गहन एवं अनवरत देखभाल, विशिष्ट शैक्षणिक कार्यक्रमों और व्यवहार चिकित्सा के माध्यम से बच्चों में सामाजिक कौशल का विकास हो सकता है।

अभियान में एनसीएल के एनएससी और सभी डिस्पेंसरियों में आने वाले मरीजों एवं उनके अभिभावकों को ऑटिज्म के प्रति गहन जानकारी दी जा रही है। उनसे अपने परिजनों, मित्रजनों और आस–पास के लोगों के साथ ये जानकारियां साझा कर उन्हें ऑटिज्म के प्रति जागरूक करने की अपील की जा रही है।

जनसंपर्क अधिकारी